स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

डेंगू बुखार

बचाव, उपचार एवं रोकथाम के उपाय

आजकल हमारे प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में डेंगू बुखार होने की जानकारी प्राप्त हो रही है। अतः हमारे क्षेत्र/प्रदेश में डेंगू बुखार न फैले इस हेतु हमें सर्तक रहने की आवश्यकता है जिसके लिए डेंगू बुखार के संबंध में विस्तार से जानकारी होना भी बहुत आवश्यक है।

1. डेंगू बुखार क्यों होता है?

डेंगू बुखार एक प्रकार के वायरस जिसे डैन वायरस भी कहते हैं कि वजह से होता है। एक बार शरीर में वायरस प्रवेश करने के बाद डेंगू बुखार के लक्षण सामान्यतः 5 से 6 दिन के पश्चात मालूम पड़ते हैं।

2. डेंगू कैसे फैलता है?

डेंगू बुखार का वायरस एडीज नामक मच्छर के काटने से रोगी व्यक्ति से स्वस्थ्य व्यक्ति में फैलता है। यह मच्छर दिन के समय काटता है। मच्छर के शरीर में एक बार वायरस के पहुंचने के पश्चात यह पूरी जिन्दगी बीमारी फैलाने में सक्षम होता है।

3. इसके मच्छर का जीवनचक्र :

मादा मच्छर साफ पानी में अण्डे देती है, अण्डे से एक कीड़ा निकलता है, जिसे लार्वा कहते हैं। लार्वा से प्यूपा बनता है एवं फिर मच्छर बन जाता है। लार्वा व प्यूपा अवस्था पानी में रहते हैं और मच्छर पानी के बाहर रहता है। अण्डे से मच्छर बनने में करीब एक सप्ताह का समय लगता है। मच्छर का जीवनकाल तीन सप्ताह का होता है। एडीज मच्छर काले रंग का होता है, जिस पर सफेद धब्बे बने होते हैं, इसे टाइगर मच्छर भी कहा जाता है।

4. मच्छर कहाँ पैदा होते हैं और इन पर कैसे नियंत्रण पाया जा सकता है :

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के घरों में आजकल पानी को संचय करने की प्रवृत्ति होने से अक्सर सभी व्यक्ति घरों में पानी कंटेनर में 5-7 दिन से ज्यादा रखने लगे हैं। ये कंटेनर हैं- सीमेंट की टंकी, प्लास्टिक की टंकी, पानी का हौद, नांद मटका, घरों में रखे हुए फूलदान जिसमें अक्सर मनी प्लांट लगाते हैं, पशुओं के पानी पीने के स्थान, टायर, टूटे-फूटे सामान जिनमें बारिश का पानी जमा होता रहता है, में एडीज मच्छर पैदा होते रहते हैं। अक्सर यह देखते हैं कि ये कंटेनर ढंके हुए नहीं रहते हैं, जिससे इनमें मच्छर पैदा होते रहते हैं। यदि हम इन कंटेनर में भरे पानी को गौर से देखें तो इनमें कुछ कीड़े ऊपर-नीचे चलते हुए दिखाई देते हैं, ये ही कीड़े मच्छर बनते हैं। अब हमें ज्ञात है कि कीड़ों से मच्छर बनते हैं और मच्छर से डेंगू बीमारी फैलती है तो इन कीड़ों का नाश करना बहुत जरूरी है।

(अ) लार्वा (कीड़ों) का नाश कैसे करें :

हम जानते हैं कि लार्वा पानी में रहते हैं, इसलिए इन सभी कंटेनर में से प्रत्येक सप्ताह पानी निकाल देना चाहिए और साफ करके फिर से पानी भरना चाहिए। इन सभी कंटेनर को इस प्रकार से ढंककर रखना चाहिए कि इनमें मच्छर प्रवेश नहीं कर सकें और अण्डे नहीं दे सकें। ये कीड़े स्पष्ट दिखाई देते हैं, इसलिए इन्हें चाय की छन्नी से भी निकाला जा सकता है। ये कीड़े पानी से निकालने के बाद स्वतः मर जाते हैं इस प्रकार का अभियान अपने घर में चलाकर मच्छरों की उत्पत्ति रोकना है।

(ब) मच्छर का नाश कैसे करें अथवा काटने से कैसे बचें :

पेराथम नाम की दवाई को केरोसिन में मिलाकर छिड़कने से मच्छर नष्ट होते हैं, जो स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के पास उपलब्ध है। मच्छरों के काटने से बचने के लिए कई उपाय किये जा सकते हैं, जैसे पूरी बांह के कपड़े पहनें, पूरा शरीर ढंकर रखें, मच्छरदानी में सोएं, नीम की पत्ती का धुंआ घर में कर सकते हैं, खिड़की-दरवाजों में मच्छरप्रूफ जाली लगायें।

5. डेंगू बीमारी के लक्षण :

सामान्यतः बुखार 102 से 104 डिग्री फेरनहीट, जो लगातार 2 से 7 दिन की अवधि तक रहता है। बुखार के साथ-साथ यदि निम्नलिखित लक्षणों में से 2 या 2 से अधिक मिलें तो डेंगू का संभावित मरीज हो सकता है- (1) तेज सिरदर्द होना (2) आँखों के आसपास दर्द होना (3) मांसपेशियों में दर्द होना (4) जोड़ों में दर्द (5) शरीर पर चट्टे बनना आदि। यदि उपरोक्त के साथ-साथ मसूड़ों से अथवा आंतों से रक्तस्राव का होना अथवा खून से प्लेटलेट का कम होना लक्षण पायें जायें तो यह गंभीर प्रकार का डेंगू बुखार हो सकता है जो घातक हो सकता है। इसमें तत्काल अस्पताल में इलाज लेना चाहिए।

6. डेंगू बीमारी निदान :

आजकल जांच हेतु रैपिड डाइग्नोस्टिक किट उपलब्ध हो रही है।

7. डेंगू बीमारी का उपचार :

उक्त बुखार होने पर तत्काल चिकित्सक से सम्पर्क किया जाना चाहिए। डेंगू बुखार एक वायरस की वजह से होता है एवं वायरस का वर्तमान में कोई भी इलाज नहीं निकला है, न ही इस बीमारी के अभी तक टीके ईजाद हुए हैं, इसलिए मरीज में बीमारी के जो-जो लक्षण दिखाई देते हैं, उसी अनुसार मरीज का उपचार किया जाता है। मरीज को सेलिसिलेट व एस्प्रिन गोली का सेवन नहीं करना चाहिए, पैरासिटामोल गोली का सेन किया जा सकता है, किन्तु उपचार डॉक्टर की सलाह से ही लेना चाहिए।

8. क्या यह घातक है?:

सामान्यतः 80 से 90 प्रतिशत मरीज 5 से 7 दिनों में स्वस्थ हो जाते हैं। यदि हेमोरेजिक डेंगू फीवर होता है तो वह घातक हो सकता है।

9. क्या यह बार-बार हो सकता है?:

जी हाँ! इसके एक बार से ज्यादा होने की संभावना रहती है।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर (म.प्र.)

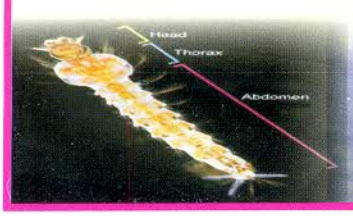

शिवा कम्प्यूटर सिटी सागर 9755331646

The rash of dengue fever in the acute stage of the infection blanches when pressed

The mosquito Aedes aegypti feeding on a human host

The rash that commonly forms during the recovery from dengue fever with its classic islands of white in a sea of red.

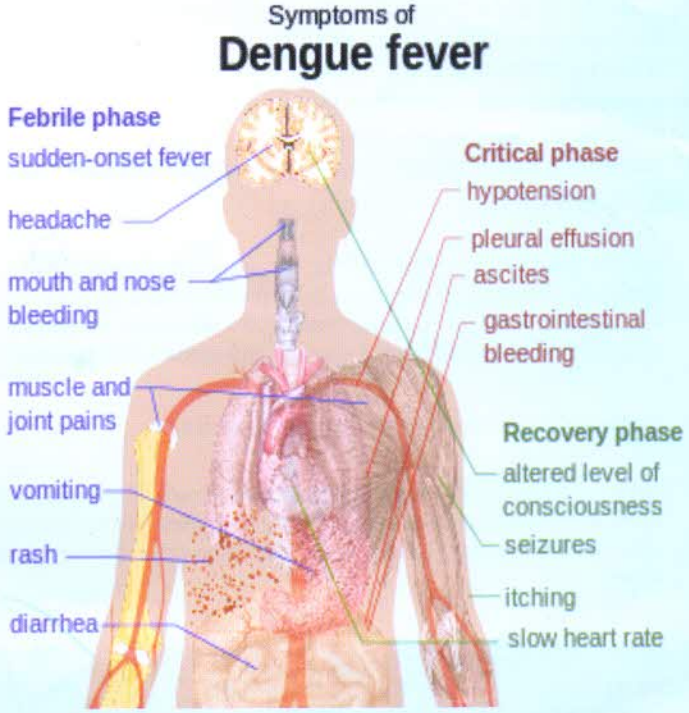

Schematic depiction of the symptoms of Adengue fever